Regarding development of Bundelkhand Region

श्री नारायणदास अहिरवार (जालौन) : माननीय अध्यक्ष । जी, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूँ ।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं बुंदेलखंड के पिछड़े क्षेत्र जालौन, गरौठा, भोगनीपुर का प्रतिनिधित्व करता हूँ । यह क्षेत्र विकास की दृष्टि से अत्यंत पिछड़ा हुआ है और इस पिछड़ेपन को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने विशेष रूप से बुंदेलखंड विकास निधि का प्रावधान किया है । मेरे लोकसभा क्षेत्र में पाँच विधानसभा क्षेत्र आते हैं जिनमें से चार बुंदेलखंड क्षेत्र के अंतर्गत हैं । उत्तर प्रदेश सरकार ने विधायक निधि के अलावा प्रत्येक विधानसभा के लिए पाँच करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि की व्यवस्था बुंदेलखंड के विकास के लिए की है । मैं सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि बुंदेलखंड के विकास के लिए अलग से निधि का प्रावधान किया जाए ।

महोदय, मेरे लोकसभा क्षेत्र जालौन में रोजगार के सीमित साधन हैं । मैं केंद्र सरकार से अनुरोध करता हूँ कि इस क्षेत्र में नए उद्योगों की स्थापना पर विचार किया जाए ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें और उन्हें रोजगार के लिए बाहर न भटकना पड़े । शिक्षा के क्षेत्र में भी स्थिति दयनीय है । गरीब बच्चों के लिए न तो अच्छे विद्यालय हैं और न ही डिग्री कॉलेज । केंद्र सरकार ब्लॉक स्तर पर केन्द्रीय विद्यालय और तहसील स्तर पर डिग्री कॉलेज की स्थापना करे ताकि शिक्षा का स्तर सुधरे और जनपद जालौन में बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके ।

महोदय, इसके अतिरिक्त जनपद मुख्यालय उरई से दिल्ली के लिए कोई सीधी ट्रेन सेवा नहीं है । पिछली बार मैंने इस मुद्दे को सदन में उठाया था । श्रमशक्ति एक्सप्रेस कानपुर में 18 घंटे खड़ी रहती है, यदि उसे उरई तक बढ़ा दिया जाए तो न केवल जालौन बल्कि हमीरपुर और कानपुर देहात जिले भी सीधे देश की राजधानी दिल्ली से जुड़ जाएंगे । भारत के रेलवे मानचित्र में कोंच, जालौन, औरैया, फफूंद तक नई रलवे लाइन के लिए सर्वे रिपोर्ट दिनांक 10.02.2014 को रेलवे बोर्ड को भेजी जा चुकी है । भिण्ड, माधवगढ़, बंगरा, जालौन, उरई, राठ होकर महोबा तक नई रेलवे लाइन के लिए सर्वे रिपोर्ट दिनाँक 29.03.2012 को रेलवे बोर्ड को भेजी जा चुकी है । यह सर्वे पूर्व रेलवे मंत्री ममता बनर्जी जी ने नई रेल लाइन बिछाने हेतु कराया था और पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के अधूरे सपने का पूरा करने का संकल्प लिया था । परन्तु जालौन जनपद रेल लाइन से अछूता है । ? (व्यवधान)